

Translation Sample: FSSAI

Source	Target
Safe and Nutritious Food	सुरक्षित और पौष्टिक भोजन
A Shared Responsibility	एक साझा उत्तरदायित्व
YOUR GUIDE FOR SAFE AND NUTRITIOUS FOOD AT HOME	घर पर सुरक्षित और पौष्टिक भोजन के लिए आपका मार्गदर्शन
MACMILLAN	मैकमिलन
© FOOD SAFETY AND STANDARDS AUTHORITY OF INDIA 2018	© भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण 2018
All rights reserved under the copyright act. No part of this publication may be reproduced, transcribed, transmitted, stored in a retrieval system or translated into any language or computer language, in any form or by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopy or otherwise without the prior permission of the copyright owner. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.	सभी अधिकार कॉपीराइट अधिनियम के तहत सुरक्षित हैं। कॉपीराइट धारक की पूर्व अनुमति के बिना, इस प्रकाशन के किसी भी खंड की प्रतिलिपि तैयार करना, प्रतिलेखन करना, प्रसारित करना, पुनः प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत करना या किसी भी भाषा या कंप्यूटर भाषा में, किसी भी रूप में या किसी भी तरह से, इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, मैग्नेटिक, ऑप्टिकल, केमिकल, मैनुअल, फोटोकॉपी या अन्यथा, अनुवादन नहीं किया जा सकता है। कोई भी व्यक्ति जो इस प्रकाशन के संबंध में कोई भी अनधिकृत कार्य करता है तो वह क्षतिपूर्ति के लिए आपराधिक अभियोग और नागरिक दावों के लिए उत्तरदायी हो सकता है।
First published 2018	प्रथम प्रकाशन 2018
Delhi Bengaluru Chennai Kolkata Mumbai Ahmedabad Bhopal Chandigarh Coimbatore Cuttack Guwahati Hyderabad Jaipur Lucknow Madurai Nagpur Patna Pune Thiruvananthapuram Visakhapatnam	दिल्ली बेंगलुरु चेन्नई कोलकाता मुंबई अहमदाबाद भोपाल चंडीगढ़ कोयंबटूर कटक गुवाहाटी हैदराबाद जयपुर लखनऊ मदुरई नागपुर पटना पुणे तिरुवनंतपुरम विशाखापटनम
Page layout, illustrations, picture research and cover design by Food Safety and Standards Authority of India	भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा पेज लेआउट, चित्रण, चित्र अनुसंधान और कवर डिजाइन
Published by Macmillan Publishers India Private Ltd, 21, Patullos Road, Chennai 600002, India	मैकमिलन पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 21, पटुलोस रोड, चेन्नई 600002, भारत द्वारा प्रकाशित
Printed at	पर छापी गई
"This book is meant for educational and learning purposes. The author(s) of the book has/have taken all reasonable care to ensure that the contents of the book do not violate any copyright or other intellectual property rights of any person in any manner whatsoever. In the event the author(s) has/have been unable to track any source and if any copyright has been inadvertently infringed, please notify the publisher in writing for any corrective action."	"यह पुस्तक शिक्षा-संबंधी और सीखने के उद्देश्यों के लिए है। पुस्तक के लेखक (ओं) ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उचित देखभाल की है कि पुस्तक के विषय किसी भी व्यक्ति के किसी भी कॉपीराइट या अन्य बौद्धिक संपदा अधिकारों का किसी भी तरीके से उल्लंघन न करें। इस वृत्तांत में लेखक किसी भी स्रोत को ट्रैक करने में असमर्थ रहा है या यदि कोई कॉपीराइट अनजाने में उल्लंघन किया गया है, तो कृपया किसी भी शोधक कार्रवाई के लिए प्रकाशक को लिखित रूप में सूचित करें।"
Preface	भूमिका

Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) is pleased to present to you 'The Pink Book: Your Guide for Safe and Nutritious Food at Home'. This book has been crafted specially for kitchens in Indian homes so that the food prepared is safe, hygienic and nutritious.	भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) आपको 'द पिंक बुक: योर गाइड फ़ॉर सेफ़ एंड न्यूट्रिशियस फूड एट होम' की भेंट देने से प्रसन्न है। इस पुस्तक को विशेष रूप से भारतीय घरों में रसोई के लिए तैयार किया गया है ताकि तैयार किया गया भोजन सुरक्षित, स्वास्थ्यकर और पौष्टिक हो।
The book has eight sections namely, selecting and purchasing food, serving food, preparing and cooking food, healthy eating, packaging food and finally maintaining hygiene & sanitation. It provides useful tips, dos and don'ts, methods and practices that should be followed in Indian kitchens.	पुस्तक में आठ भाग हैं नामतः, खाद्य पदार्थों का चयन करना और खरीदना, कच्चे खाद्य पदार्थों को स्टोर करना, तैयारी करना और भोजन बनाना, भोजन परोसना, स्वास्थ्यवर्धक भोजन खाना, पका हुआ भोजन स्टोर करना, खाद्य पदार्थों की पैकिंग करना और अंत में स्वास्थ्य-कारिता और स्वच्छता बनाए रखना। यह उपयोगी टिप्स, क्या करें और क्या नहीं करें और भारतीय रसोई में जिन तरीकों और प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए, उनके विषय में जानकारी प्रदान करती है।
The book has been brought together by a team of food technologists and nutritionists from various premier institutions in the country. It has been carefully reviewed by experts.	पुस्तक को देश के विभिन्न प्रमुख संस्थानों के खाद्य प्रौद्योगिकियों और पोषणविज्ञानों की टीम द्वारा बनाया गया है। विशेषज्ञों द्वारा इसकी सावधानीपूर्वक समीक्षा की गई है।
The book introduces Master Sehat and Miss Sehat as mascots for safe and nutritious food, initiative of FSSAI. This is to ensure safe and nutritious food for all citizens everywhere at all times.	पुस्तक एफएसएसआई की अगुआई में, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन के लिए शुभंकर प्रतीक के रूप में मास्टर सेहत और मिस सेहत का परिचय देती है। ऐसा हर समय के लिए सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित और पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने के लिए किया गया है।
FSSAI would welcome any suggestions and feedback on this publication so that 'The Pink Book' becomes a trusted companion and part of all Indian households.	एफएसएसआई इस प्रकाशन पर किसी भी सुझाव और प्रतिक्रिया का स्वागत करेगा ताकि 'द पिंक बुक' विश्वसनीय साथी और सभी भारतीय परिवारों का हिस्सा बन जाए।
Chief Executive Officer	प्रमुख कार्यकारी अधिकारी
Food Safety and Standards Authority of India	भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण
Technical Experts, Reviewers & Contributors	तकनीकी विशेषज्ञ, समीक्षक और योगदानकर्ता

Translation Sample: Royal Enfield

Source	Target
BHARAT SARKAR RAKSHA MANTRALAYA	भारत सरकार रक्षा मंत्रालय
GUNATA ASHAWASAN MAHANIDESHALAYA	गुणता आश्वासन महानिदेशालय
USER HAND BOOK (OWNER'S MANUAL)	उपयोगकर्ता पुस्तिका (ओनर मैनुअल)
ROYAL ENFIELD MOTOR CYCLE BULLET 350 ABS - DEFENCE	रॉयल एनफील्ड मोटर साइकल बुलेट 350 एबीएस - डिफेन्स
Contract No:	अनुबंध क्रमांक:
GEMC-511687797813839 Date 22-Nov-2019	जीईएमसी-511687797813839 दिनांक 22-नवंबर-2019
ISSUE BY:	के द्वारा जारी:
M/s.	मेसर्स
Royal Enfield (A Unit of Eicher Motors Ltd.) Plot No. A-19/1, Sipcot Industrial Growth Center, Oragadam, Kanchipuram - 602 105.	रॉयल एनफील्ड (आइचर मोटर्स लिमिटेड का यूनिट) प्लॉट नंबर ए -19 / 1, सिपकोट औद्योगिक विकास केंद्र, ओरागादम, कांचीपुरम - 602 105
Publication No:	प्रकाशन संख्या:
Book No:	पुस्तक संख्या:
Month & Year :	महीना और वर्ष :
Nov. 2019	नवंबर 2019
More Power, Love and Respect.	अधिक पावर, प्यार और सम्मान।
The all-new Bullet 350 features a modern Unit Construction engine with 5 gears on the left.	संपूर्ण नई बुलेट 350 में बाएं ओर 5 गियर के साथ आधुनिक यूनिट कंस्ट्रक्शन इंजन है।
Easier to ride, more torque and no maintenance trouble.	सवारी करने में आसान, अधिक टॉर्क और रखरखाव में कोई परेशानी न देने वाली है।
This manual is designed to give you complete control over your motorcycle.	यह मैनुअल, आपको, आपकी मोटरसाइकिल पर पूरा नियंत्रण देने के लिए बनाया गया है।
It contains important information on efficient operation and maintenance.	इसमें कुशल संचालन और रखरखाव पर महत्वपूर्ण जानकारी शामिल है।
We've also included tips on riding safely, as well as suggestions to enhance your motorcycling experience.	हमने सुरक्षित रूप से सवारी करने के सुझावों के साथ-साथ आपके मोटरसाइकिल चलाने के अनुभव को बढ़ाने के सुझाव भी शामिल किए हैं।
Your safety is of prime concern to us and we urge you to be a responsible rider.	आपकी सुरक्षा हमारे लिए प्रमुख चिंता का विषय है और हम आपसे जिम्मेदार सवार बनने का आग्रह करते हैं।
Please select your riding gear carefully in accordance with your terrain, style and weather conditions.	कृपया अपने क्षेत्र, शैली और मौसम की स्थिति के अनुसार अपने सवारी करने के गियर का चुनाव सावधानी से करें।
And ensure the same for your pillion rider as well.	और अपने पिल्यन राइडर के लिए भी यही सुनिश्चित करें।
Respect the law of the land and ride safe.	क्षेत्र के कानून का सम्मान करें और सुरक्षित सवारी करें।
Finally, we welcome you to the Royal Enfield community.	अंत में, हम रॉयल एनफील्ड समुदाय में आपका स्वागत करते हैं।

You can locate your nearest club or sign up for the next big ride at www.royalenfield.com	आप अपने निकटतम क्लब का पता लगा सकते हैं या www.royalenfield.com पर अगली बड़ी सवारी के लिए साइन अप कर सकते हैं।
The legend rides on.	दिग्गज सवारी करता है।
NOTICE	नोटिस
All information in this manual is based on the latest product information available at the time of publication.	इस मैनुअल की सभी जानकारी प्रकाशन के समय उपलब्ध नवीनतम उत्पाद की जानकारी पर आधारित है।
Due to continues improvements or other changes, there may be discrepancies between information in this manual and your vehicle.	निरंतर सुधार या अन्य परिवर्तनों के कारण, इस मैनुअल और आपके वाहन की जानकारी के बीच विसंगतियां हो सकती हैं।
Royal Enfield reserves the right to make production changes at any time without prior notice and without incurring any obligation to make same or similar changes to vehicles previously built or sold.	रॉयल एनफील्ड बिना किसी पूर्व सूचना के किसी भी समय उत्पादन में परिवर्तन करने का अधिकार रखता है और पूर्व में निर्मित या बेचे गए वाहनों के समान या समरूप परिवर्तन करने के लिए किसी भी दायित्व के बिना।
All images shown are for reference to explain and need not to be exactly the same on the model you own.	दिखाए गए सभी चित्र समझाने के संदर्भ के लिए हैं और आपके स्वयं के मॉडल से उन्हें बिल्कुल समान होने की जरूरत नहीं है।
Technical specification are subject to change without prior notice.	तकनीकी विनिर्देश पूर्व सूचना के बिना परिवर्तन के अधीन हैं।
“© Copyright 2019 Royal Enfield (A Unit of Eicher Motors Limited).	“© कॉपीराइट 2019 रॉयल एनफील्ड (आइचर मोटर्स लिमिटेड का यूनिट)।
All Rights Reserved.	सभी अधिकार आरक्षित।
No part of this manual shall be copied, distributed or otherwise dealt without the express permission in writing of Royal Enfield.	इस मैनुअल का कोई भी हिस्सा रॉयल एनफील्ड के लिखित अनुमति के बिना कॉपी, वितरित या अन्यथा विक्रय नहीं किया जाएगा।
Part No. RAM00173/A / Qty. 200 / Nov. '19	भाग संख्या आरएमएम00173/ए/ मात्रा 200 / नवंबर '19
Technical Specifications	तकनीकी विनिर्देश
Wheel Removal & Assembly	पहिया निकालना और असेंबल करना
Safety Definitions	सुरक्षा परिभाषाएँ
Minor Maintenance Tips	मामूली रखरखाव युक्तियाँ
Safe and happy riding	सुरक्षित और आनंदित सवारी
Washing procedure	धोने की प्रक्रिया
Vehicle identification numbers	वाहन की पहचान संख्या
Storage precautions	भंडारण की सावधानियाँ
Location of key parts	प्रमुख भागों का स्थान
Long trip precautions	लंबी यात्रा की सावधानियाँ
Operation of controls	नियंत्रणों का संचालन
Caring for Mileage	माइलेज की देखभाल
Pre-Operational Checks	संचालन के पूर्व की जाँच
Complete Wiring diagram	संपूर्ण वायरिंग का आरेख
Running in	रनिंग इन
Trouble shooting	समस्या निवारण
Warning Indications & Safety Systems	चेतावनी संकेत और सुरक्षा प्रणाली

Translation Sample: Skill India

Source	Target
Unit 1.3: Invention of Automobiles	यूनिट 1.3: ऑटोमोबाइल्स का आविष्कार
Unit Objectives	यूनिट के उद्देश्य
At the end of this unit, you will be able to:	इस यूनिट के अंत में, आप निम्न कार्य कर सकेंगे:
1. Explain the history of automobile	1. ऑटोमोबाइल का इतिहास बताना
2. Describe recent development in automobile industry	2. ऑटोमोबाइल उद्योग में हाल के विकास का वर्णन करना
1.3.1 : Invention of Automobiles	1.3.1: ऑटोमोबाइल का आविष्कार
Post World War II, Automobile Industry started on rapid modernization in the 50s and 60s. Many new models of cars were introduced like Edsel, Chevrolet etc.	द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, ऑटोमोबाइल उद्योग ने 50 और 60 के दशक में तेजी से आधुनिकीकरण की शुरुआत की। कारों के कई नए मॉडल पेश किए गए जैसे कि एडसेल, शेवरलेट आदि।
In USA, road network was built after the second War. This road network was very modern with long highways stretching across the length and breadth of the country. It is good to note that USA has a very big land mass and vast geography. This allows open and wide roads to be built. On these roads models like the Beetle do appear very tiny!	यूएसए में, दूसरे युद्ध के बाद सड़क नेटवर्क बनाया गया था। पूरे देश की लंबाई और चौड़ाई में लंबे राजमार्गों के साथ बनाया गया, यह सड़क नेटवर्क बहुत आधुनिक था। यह नोट करना चाहिए कि यूएसए के पास बहुत बड़ा भूमि द्रव्यमान और विशाल भूगोल है। इससे खुली और चौड़ी सड़कों का निर्माण किया जा सकता है। इन सड़कों पर बीटल जैसे मॉडल बहुत छोटे दिखाई देते हैं!
The Big Three of the car industry namely General Motors, Ford & Chrysler set about to design big fast moving cars for the American roads. Edsel, Buick, Pontiac Firebird, Chevrolet Impala etc were some of the big cars that came on American highways in the 50s and 60s. It may also be noted that these models used large amounts of petrol or gasoline as it is called in US. But, petrol consumption was not the main issue in those happy days. So, each car maker was competing with the other in making bigger & bigger designs with more luxuries added for comfort. All this made owning and maintaining a car quite costly. Still, more and more Americans were buying these models. One very popular model from FORD was named 'MUSTANG'.	कार उद्योग के द बिग थ्री अर्थात् जनरल मोटर्स, फोर्ड और क्रिसलर ने अमेरिकी सड़कों के लिए बड़ी और तेजी से चलने वाली कारों के डिजाइन तैयार किए। एडसेल, ब्यूक, पोंटिएक फायरबर्ड, शेवरले इम्पाला आदि कुछ बड़ी कारें थीं जो 50 और 60 के दशक में अमेरिकी राजमार्गों पर देखी गई थीं। यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि इन मॉडलों ने बड़ी मात्रा में पेट्रोल या गैसोलीन, जैसा कि इसे यूएस में कहा जाता है का उपयोग किया जाता था। लेकिन, उन अच्छे दिनों में पेट्रोल की खपत मुख्य मुद्दा नहीं था। इसलिए, प्रत्येक कार निर्माता अधिक विलासिता वाला, आराम के लिए, बड़े और बड़े डिजाइन बनाने में दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा था। इन सब कारणों से कार खरीदना और उसका रखरखाव काफी महंगा हो गया था। फिर भी, अधिक से अधिक अमेरिकी इन मॉडलों को खरीद रहे थे। फोर्ड के एक बहुत लोकप्रिय मॉडल का नाम 'मस्टैंग' था।

However, things changed after 1973. This was the year of the first "Oil Crisis". Petrol started becoming costlier as all the Arab nations got together in an alliance. Now, suddenly even Americans started looking for more economical designs.	हालाँकि, 1973 के बाद चीजें बदल गईं। यह वर्ष "ऑयल क्राइसिस" का वर्ष था। सभी अरब राष्ट्रों के एक गठबंधन में मिल जाने से पेट्रोल महंगा होने लगा। अब, अचानक अमेरिकियों ने भी अधिक किफायती डिजाइनों की तलाश शुरू कर दी।
Meanwhile, quietly but with determination, Japan was developing cars for marketing worldwide, mainly in the USA. Actually, after the devastation of their country during the WW II, several Japanese companies came into existence like Toyota, Mazda, Mitsubishi, Suzuki etc. Some of these like Mazda, were using American Technology. But, these companies were also developing their own Research capabilities. As a result when the 1973 oil crisis occurred, these companies were very well positioned to roll out smaller, compact and economical models in USA.	इस बीच, चुपचाप, लेकिन दृढ़ संकल्प के साथ, जापान दुनिया भर में मुख्य रूप से अमेरिका में विपणन के लिए कारों का विकास कर रहा था। दरअसल, डब्ल्यू डब्ल्यू II के दौरान अपने देश की तबाही के बाद, कई जापानी कंपनियां जैसे टोयोटा, माजदा, मित्सुबिशी, सुजुकी आदि अस्तित्व में आईं। इनमें से कुछ जैसे माजदा अमेरिकी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रही थीं। लेकिन, ये कंपनियां अपनी रिसर्च क्षमताओं का भी विकास कर रही थीं। परिणामस्वरूप जब 1973 का तेल संकट आया, तो इन कंपनियों को अमेरिका में छोटे, कॉम्पैक्ट और किफायती मॉडल बनाने के लिए बहुत अच्छी तरह से स्थित किया गया था।
Since then, companies like Toyota, Honda have been steadily increasing their market presence worldwide. Normally present era is defined as twenty five years before the present year. Presently available cars are differentiated from antiques based on technical and design aspect. Without bearing in mind car future, present approach is to focus more on the standardization, sharing of platform and computer aided design.	तब से, टोयोटा, होंडा जैसी कंपनियां लगातार दुनिया भर के बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। आम तौर पर वर्तमान युग को वर्तमान वर्ष से बीस साल पहले के रूप में परिभाषित किया गया है। वर्तमान में उपलब्ध कारों को तकनीकी और डिजाइन पहलू के आधार पर प्राचीन कारों से अलग किया जाता है। कार के भविष्य को ध्यान में रखे बिना, वर्तमान में दृष्टिकोण को मानकीकरण, मंच के साझाकरण और कंप्यूटर एडेड डिजाइन पर अधिक ध्यान केंद्रित करना है।
In 1983, Government of India started Maruti Udyog in collaboration with Suzuki of Japan. Maruti's first model called Maruti 800 became a big success. Within 5-6 years the company reached an annual production level of nearly 1,00,000 cars per year. They launched various models like 800, Gypsy, Omni van, Esteem, Zen, Baleno etc.	1983 में, भारत सरकार ने जापान के सुजुकी के साथ मिलकर मारुति उद्योग की शुरुआत की। मारुति 800 नामक मारुति का पहला मॉडल एक बड़ी सफलता बन गया। 5-6 वर्षों के भीतर कंपनी प्रति वर्ष लगभग 1,00,000 कारों के वार्षिक उत्पादन स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने 800, जिप्सी, ओमनी वैन, एस्टीम, ज़ेन, बलेनो आदि जैसे विभिन्न मॉडल लॉन्च किए।
Participant Handbook	प्रतिभागी पुस्तिका
By the end of 90s several other global multinational car makers also started manufacturing their models in India. Among them were, General Motors, Ford, Hyundai etc.	90 के दशक के अंत तक कई अन्य वैश्विक बहुराष्ट्रीय कार निर्माताओं ने भी भारत में अपने मॉडल का निर्माण शुरू किया। इनमें जनरल मोटर्स, फोर्ड, हुंडई आदि प्रमुख थे।
In just a few years the Indian market for cars has become a hot spot of global automotive activity.	कुछ ही वर्षों में कारों के लिए भारतीय बाजार वैश्विक ऑटोमोटिव गतिविधि का एक हॉट स्पॉट बन गया है।

<p>As we see, Indian Auto industry started with import of cars in the 20s. Then the first manufacturing started in the 40s. With continued progress many Indian companies like Maruti, Tata, Mahindra have become very big global names. Now, they are not merely manufacturing European/American or Japanese designs, but they are doing so with their own research & development capabilities. As a result, Nano model was developed by TATA Motors. This is one of the most economic car in the world with all convenient and quality features. Now India is now also exporting nearly 12% of manufactured cars to Europe, USA and elsewhere in the world.</p>	<p>जैसा कि हम देखते हैं, भारतीय ऑटो उद्योग की शुरुआत 20 के दशक में कारों के आयात से हुई थी। फिर पहला निर्माण 40 के दशक में शुरू हुआ। निरंतर प्रगति के साथ कई भारतीय कंपनियों जैसे मारुति, टाटा, महिंद्रा बहुत बड़े वैश्विक नाम बन चुके हैं। अब, वे केवल यूरोपीय/अमेरिका या जापानी डिजाइन का निर्माण नहीं कर रहे हैं, लेकिन वे अपने स्वयं के अनुसंधान और विकास क्षमताओं के साथ निर्माण कर रहे हैं। नतीजतन, नैनो मॉडल टाटा मोटर्स द्वारा विकसित किया गया था। यह सभी सुविधाजनक और गुणवत्ता सुविधाओं के साथ दुनिया में सबसे अधिक आर्थिक कार में से एक है। अब भारत लगभग 12% निर्मित कारों को यूरोप, अमेरिका और दुनिया में कहीं और निर्यात कर रहा है।</p>
<p>In India automotive industry is considered as one of the largest industry and also it is growing globally with a rapid speed. Indian automobile manufacturing industry in passenger car and commercial vehicle segment is on 6th position in the world having annual production more than 3.7 million. As per one of the report in passenger vehicle segment India is expected to surpass Brazil to become sixth largest producer in the world with a growth of 16 to 18 percent covering more than 3 million units. In passenger car segment Indian automobile industry is known as the fourth largest exporter after Japan, Thailand and Korea.</p>	<p>भारत में मोटर वाहन उद्योग को सबसे बड़े उद्योग में से एक माना जाता है और यह भी तेज गति के साथ विश्व स्तर पर बढ़ रहा है। यात्री कार और वाणिज्यिक वाहन खंड में भारतीय ऑटोमोबाइल विनिर्माण उद्योग दुनिया में छठे स्थान पर है, जिसका वार्षिक उत्पादन 3.7 मिलियन से अधिक है। यात्री वाहन खंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 3 मिलियन से अधिक यूनिट्स को कवर करने वाले 16 से 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दुनिया में छठे सबसे बड़े उत्पादक बनने के लिए ब्राजील को पार करने की उम्मीद है। यात्री कार खंड में भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को जापान, थाईलैंड और कोरिया के बाद चौथे सबसे बड़े निर्यातक के रूप में जाना जाता है।</p>
<p>In passenger cars segment, during the year 2010 India became third largest exporter after Japan and Korea beating Thailand. As on year 2010, passenger vehicle population in India was having 40 million. In the year 2010 India produced more than 3.7 million automotive vehicle which reflect an increase of 33.9% and became second fastest growing automobile market in the world. Indian Automobile Manufacturers Society projected sales of vehicle around 5 million by the year 2015 and by 2020 it will go more than 9 million. It is expected that by the year 2050 India became top in car volume with around 611 million cars on Indian road. In India car manufacturing industry is mainly divided into three clusters i.e. south, west and north.</p>	<p>यात्री कारों के क्षेत्र में, वर्ष 2010 के दौरान भारत जापान और कोरिया के बाद थाईलैंड का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया। वर्ष 2010 तक, भारत में यात्री वाहन की आबादी 40 मिलियन थी। वर्ष 2010 में भारत ने 3.7 मिलियन से अधिक ऑटोमोटिव वाहन का उत्पादन किया जो कि 33.9% की वृद्धि के साथ दुनिया में दूसरा सबसे तेजी से बढ़ता ऑटोमोबाइल बाजार बन गया। इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स सोसाइटी ने वर्ष 2015 तक लगभग 5 मिलियन वाहन की बिक्री का अनुमान लगाया और 2020 तक यह 9 मिलियन से अधिक हो जाएगा। यह उम्मीद की जाती है कि वर्ष 2050 तक भारत भारतीय सड़क पर लगभग 611 मिलियन कारों के साथ कार की मात्रा में शीर्ष पर पहुंच गया। भारत में कार निर्माण उद्योग मुख्य रूप से तीन समूहों यानी दक्षिण, पश्चिम और उत्तर में विभाजित है।</p>

Translation Sample: Tata SOPs

03	MRDL / BDPK स्टेशन मास्टर रोक के प्रस्थान के तुरंत बाद TSBSL यार्ड मास्टर को रोक जानकारी की पुष्टि करनी होगी	सुरक्षा: नहीं	रेलवे स्टेशन मास्टर		
		वातावरण: नहीं			
		गुणवत्ता: नहीं			
04	स्टेशन मास्टर से जानकारी प्राप्त करने के बाद, TSBSL यार्ड मास्टर यही जानकारी एलसी गेट, इन-मोशन वेटब्रिज और TSBSL लॉजिस्टिक्स शिफ्ट-प्रभारी को भी देता है।	सुरक्षा: नहीं	TSBSL यार्ड मास्टर		
		वातावरण: नहीं			
		गुणवत्ता: नहीं			
05	रेलवे लॉजिस्टिक शिफ्ट प्रभारी, डब्ल्यूटी / टीएच प्रभारी को भी सूचित करता है और वह तय करता है कि टिपलर / हॉपर की उपलब्धता के अनुसार इस वस्तु को कहाँ पर अनलोड किया जाए	सुरक्षा: नहीं	रेलवे लॉजिस्टिक शिफ्ट प्रभारी		
		वातावरण: संख्या			
		गुणवत्ता: नहीं			
06	रेलवे लॉजिस्टिक शिफ्ट-प्रभारी (इन चार्ज) वैगन टिपलर/ट्रैक हॉपर की आवश्यकता के अनुसार वैगन की आउटवर्ड प्लेसमेंट के लिए निर्दिष्ट लाइन में भर्ती होने के लिए रोक की योजना बनाता है।	सुरक्षा: नहीं	रेलवे लॉजिस्टिक शिफ्ट प्रभारी		
		वातावरण: संख्या			
		गुणवत्ता: नहीं			
7	यार्ड पॉइंटमैन होम सिग्नल से नामित लाइन तक रोक प्राप्त करने के लिए पॉइंट लगाता है।	सुरक्षा: 1. पॉइंटमैन पॉइंट सेटिंग के लिए	यार्ड पॉइंटमैन	पॉइंटमैन को पॉइंट सेट करने के लिए आवश्यक टूल और पीपीई का उपयोग करना चाहिए और पॉइंट की	

मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)

फॉर्म सं.: BSL/IMS/SOP/Form 01		फॉर्म संशोधन सं.: 00			
एसओपी सं.: 4	IMS/Railway Logistics/Operation/SOP/04	प्रभावी तिथि	09.02.2016	संशोधन संख्या:	001 तिथि 07.9.2019
एसओपी विवरण	आने वाले और जाने वाले रोक के लिए मानक संचालन प्रक्रिया	अनुभाग	संचालन		
विभाग	रेलवे प्रचालन-मन्त्र	पृष्ठ	3		

चरण संख्या	गतिविधि का विवरण (क्या)	संबंधित सुरक्षा खतरे / पर्यावरण प्रभाव / गुणवत्ता आवश्यकताएँ	उत्तरदायित्व (कौन)	सुरक्षित प्रक्रिया (उपकरण और औज़ार, पीपीई, प्रशिक्षण आदि) (कैसे)	टिप्पणी/संदर्भ (दस्तावेज़ और रिकॉर्ड)
01	रेलवे स्टेशन मास्टर (MRDL / BDPK) वीएसएल यार्ड मास्टर को लाइन क्लियर करने के लिए कहता है यदि स्टेशन से TSBSL साइडिंग के लिए किसी भी आनेवाले रोक को सामान उतारने के लिए रवाना किया जाना है	सुरक्षा: नहीं	रेलवे स्टेशन मास्टर		
		वातावरण: नहीं			
		गुणवत्ता: नहीं			
02	TSBSL यार्ड मास्टर, MRDL/BDPK स्टेशन मास्टर को लाइन क्लियर देते समय रोक प्राप्त करने के लिए एक निजी नंबर पिन देते हैं।	सुरक्षा: लाइन क्लियर के निर्दिष्ट पथ पर वैगनों की चाल-चलन हो सकती है	TSBSL यार्ड मास्टर	TSBSL यार्ड मास्टर को सुनिश्चित करना होगा कि लाइन क्लियर के निर्दिष्ट पथ पर कोई चाल-चलन न हो।	
		वातावरण: नहीं			
		गुणवत्ता: नहीं			

		सोप का पालन नहीं कर सकता है 2. पॉइंटमैन ठीक से पॉइंट सेट नहीं कर सकता है। वातावरण: नहीं गुणवत्ता: नहीं		उचित सेटिंग सुनिश्चित करनी चाहिए	
8	पायलेटिंग मैन रेल को होम सिग्नल पर ग्राम करता है और उससे निर्दिष्ट लाइन के स्टार्टर सिग्नल तक पायलट करता है।	सुरक्षा: 1. रेलवे लोकोमोटिव रेलवे ट्रैक पर काम करने वाले / पार करने वाले कर्मचारियों को आघात पहुंचा सकती है। पायलेटिंग मैन चलते हुए रेलवे लोकोमोटिव पर पायलट ऑपरेशन प्रारम्भ करने के लिए चढ़ सकता है और नीचे गिर सकता है। 2. पायलेटिंग मैन को रेलवे लोकोमोटिव पायलट को निर्दिष्ट लाइन के स्टार्टर तक मार्गदर्शन करने के लिए उचित झंडे नहीं हो सकते हैं। 3. पायलेटिंग मैन चलते हुए रेलवे लोकोमोटिव से निर्दिष्ट लाइन के स्टार्टर के पास नीचे उतारते समय गिर सकता है। 4. पायलेटिंग मैन रेलवे लोकोमोटिव की सीटों के चरणों की स्थिति नजरअंदाज करते हुए फॉल/स्लिप /ट्रिप हो सकता है। रेल पटरी।	पायलेटिंग मैन	1. पायलेटिंग मैन को रेलवे लोकोमोटिव पर तभी चढ़ना चाहिए जब यह होम सिग्नल में पूरी तरह से रुक जाए। 2. पायलट मैन को होम सिग्नल स्थान पर रेलवे लोकोमोटिव में चढ़ते समय सिग्नलिंग के लिए उचित झंडे / सिग्नलिंग मशाल ले जाने चाहिए। 3. पायलेटिंग मैन को स्टार्टर सिग्नल पॉइंट पर रेलवे लोकोमोटिव से नीचे तभी उतरना चाहिए जब लोकोमोटिव पूरी तरह से रुक गया हो। 4. पायलेटिंग मैन को फिसलने / गिरने / ठोकर लगने से बचने के लिए लोकोमोटिव के सीटों के चरणों की स्थिति को ध्यान से देखना के बाद ही चढ़ना चाहिए। 5. होम सिग्नल से स्टार्टर पॉइंट की निर्दिष्ट लाइन पर जाने समय, रेलवे लोकोमोटिव ऑपरेटर को स्टार्टर पॉइंट तक लाइन को क्लियर करने के लिए लगातार हॉर्न बजाना चाहिए।	

		6. रेलवे लोकोमोटिव रेलवे ट्रैक के पास रखी वस्तुओं को मार सकता है। 7. रेलवे लोकोमोटिव ट्रैक के साथ ज्यादा गति पर चला सकता है। वातावरण: नहीं गुणवत्ता: नहीं		6. रेलवे ट्रैक के प्रतिबंधित क्षेत्र के आस पास कोई भी वस्तु नहीं रखी जानी चाहिए। 7. रेलवे लोकोमोटिव ऑपरेटर को TSBSL की दिशानिर्देश का पालन करना चाहिए ताकि लोकोमोटिव को यार्ड में अधिकतम 8KMPH की गति से चलाया जा सके।	
9	रेलवे लोकोमोटिव को रेल से अलग किया जाता है और उसी को MRDL रेलवे के कर्मचारियों द्वारा दिए गए कार्यक्रम के अनुसार उससे किसी भी खाली रेल को बंद या संलग्न करने के लिए TSBSL के पार्किंग लाइन में स्थानांतरित कर दिया जाता है।	सुरक्षा: 1. रेलवे लोकोमोटिव से बैलेंस बैगन खोलते समय झटका के कारण बैगन का वापस लुढ़कना एक दुर्घटना का कारण बन सकता है। 2. रेलवे लोकोमोटिव रिटर्निंग लाइन के माध्यम से लौटते समय पॉइंट क्षेत्र पर पटरी से उतर सकती है। वातावरण: नहीं गुणवत्ता: नहीं	पायलेटिंग मैन	1. रेलवे लोकोमोटिव को ठीक से अलग किया जाना चाहिए और इस दुर्घटना से बचने के लिए बैगन के पहियों को वापस लुढ़कने से रोकने के लिए बैगन के पहियों में स्किड दिया जाना चाहिए। 2. पायलेटिंग मैन को सुनिश्चित करनी चाहिए की रेलवे लोकोमोटिव को रेलवे लाइन को एम्केप लाइन से गुजरने के लिए संकेत देने से पहले उचित ब्रिड सेटिंग हो।	

10	वैगन ब्रेक के हवा का दबाव यार्ड पाइंट्समैन द्वारा मुक्त किया जाता है और वैगन टिपलर / ट्रैक हॉपर पर प्लेसमेंट देने के लिए TSBSL लोकोमोटिव द्वारा उसी को धकेला / खींचा जाता है। यदि WT-1, WT-2, WT-3 दिया गया है तो फुल रैक प्लेसमेंट दिया गया है। यदि यह ट्रैक हॉपर है तब रैक स्थान 4 भाग में दिया जाता है (प्रत्येक भाग अधिकतम 19 वैगनों को समायोजित कर सकता है)। यदि यह WT -4 है तो लाइन की उपलब्धता के रूप में पूर्ण रैक को ट्रैक नंबर नंबर -15, 16 और 17 में स्थानांतरित कर दिया जाता है।	सुरक्षा: 1. अतिरिक्त हवा के दबाव पाइंट्समैन को चोट पहुंचा सकता है। 2. पाइंट्समैन हवा के प्रेशर को मुक्त करने से पूर्व हवा होसेस को पहले से दसगुणा कर सकता है और उससे चोट लग सकती है। 3. पुशिंग मोड में WT / TH में आउटवर्ड प्लेसमेंट के लिए रैक अपने स्थान की ओर मार्च करते हुए, रेलवे ट्रैक या रेलवे ट्रैक पार करने वाले कर्मचारियों पर हिट / रन हो सकता है। 4. WT/TH में स्थान के लिए रैक मार्च करते हुए, यदि पथ पर कोई भी हो, तो बिंदु क्षेत्र पर पटरी से उतर सकता है। 5. पाइंट्समैन दोषपूर्ण/डिस्चार्ज हुए, बाँकी टॉकी के कारण WT/TH पर रैक लगाते समय लोको ऑपरेटर के साथ ताल्लुक करने में विफल हो सकता है। 6. प्लेसमेंट के लिए मार्च करते हुए, TSBSL लोकोमोटिव तेजी से कुचल कर निकल सकता है। वातावरण:	पाइंट्समैन 1. पाइंट्समैन को वैगन ब्रेक एयर प्रेशर ड्रेन करने के लिए उचित पीपीई का उपयोग करना चाहिए। 2. पाइंट्समैन को पहले प्रेशर रिलीज करना चाहिए फिर एयर होसेस को डीकपल किया जाना चाहिए। 3. पाइंट्समैन को WT/TH के सही ढंग से प्लेसमेंट तक और सुरक्षित रूप से रैक को निर्देशित करने के लिए 50 मीटर की दूरी बनाए रखने वाले ट्रैक के साथ रैक की मार्चिंग की एक ही दिशा में चलना चाहिए। 4. पाइंट्समैन को उचित बिंदु सेटिंग सुनिश्चित करनी चाहिए और WT/TH में प्लेसमेंट के लिए चाल- चलन के लिए लोको ऑपरेटर को संकेत देना चाहिए। 5. पाइंट्समैन को चंगी / चार्ज बाँकी टॉकी का उपयोग करना चाहिए। 6. TSBSL लोको ऑपरेटर को 8KMPH की अधिकतम गति पर लोकोमोटिव को चलाते के लिए एसओपी का पालन करना चाहिए।	
----	--	--	---	--

		गुणवत्ता:			
10	बाद में TSBSL लोकोमोटिव को WT/TH प्लेसमेंट के बाद संबंधित रैक से अलग कर दिया जाता है और अनलोडिंग की प्रक्रिया शुरू करने के लिए RMHS के संबंधित प्रमारी को मंजूरी दे दी जाती है।	सुरक्षा: अलग करते समय, TSBSL लोकोमोटिव के बैलेंस वैगनों पर दबाव बढ़ा सकता है जिसके परिणामस्वरूप रैक लुढ़क के वापस आ सकता है। वातावरण: गुणवत्ता:	लोको ऑपरेटर	बैक रोलिंग से बचने के लिए लोकोमोटिव को सावधानी से डीकपल किया जाना चाहिए	
11	उतराई / सफाई के पूरा होने के बाद, सभी वैगनों को एक रैक में वर्गीकृत किया जाना चाहिए, और एयर होस कपलिंग और ईओटी के साथ इससे प्री-टिपलर यार्ड की प्रस्थान लाइन पर लाया जाता है और रेलवे को लोकोमोटिव और रैक रिलीज के समय के बारे में सूचित किया जाता है। यदि उपरोक्त रैक को बैक लोडिंग के लिए नामांकित किया जाता है, तो उसी को पोस्ट टिपलर यार्ड से लोडिंग यार्ड में स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए।	सुरक्षा: 1. सभी वैगनों को समूहीकृत करते समय, पाइंट्समैन को चोट लग सकती है। 2. समूहबद्ध वैगनों को प्री-टिपलर नामित लाइन पर शिफ्ट करते समय, बिन्दुओं की अनुचित सेटिंग के कारण बिंदु क्षेत्र पर वैगन पटरी से उतर सकते हैं। 3. समूहबद्ध वैगनों को प्री-टिपलर नामित लाइन पर शिफ्ट करते समय, रेलवे ट्रैक पर अत्यधिक सफाई सामग्री होने के कारण बिंदु क्षेत्र पर वैगन पटरी से उतर सकते हैं।	लोको ऑपरेटर	1. पोस्ट टिपलर क्षेत्र में खाली वैगनों को समूहन करने के लिए, पाइंट्समैन को चोट से बचने के लिए कपलर जोड़ों से सुरक्षित दूरी बनायी रखनी चाहिए। 2. पाइंट्समैन को खाली रैक को प्री-टिपलर यार्ड की निर्दिष्ट लाइन में स्थानांतरण करते समय बिंदुओं की उचित सेटिंग सुनिश्चित करनी चाहिए। 3. पोस्ट टिपलर क्षेत्र में वैगनों के अवशिष्ट सामग्री की सफाई के बाद, उन को उठाया जाना चाहिए और पटरी से उतरने के लिए रेलवे ट्रैक को अवरोधों से मुक्त करने के लिए तुरंत अनलोडिंग क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए।	

		वातावरण:			
		गुणवत्ता:			
12	रेलवे ईओटी के लिए लोकोमोटिव की कार्यक्रम और व्यवस्था करता है और रिहाई के बाद ही संबंधित स्टेशन से लाइन क्लियर होने के बाद ही रेल को संयंत्र से बाहर निकालता है।	सुरक्षा: नहीं			
		वातावरण: नहीं			
		गुणवत्ता: नहीं			

द्वारा तैयार किया गया	द्वारा मंजूर किया गया
नाम और पद: राजनकांता पंडा, सहायक प्रबंधक	नाम और पद:
तिथि के साथ हस्ताक्षर	तिथि के साथ हस्ताक्षर